Ganesha Stutigitam

गणेशस्तुतिगीतम्

Document Information

Text title : Ganesha Stuti Gitam

File name : gaNeshastutigItam.itx

Category : ganesha, stotra, sanskritgeet

Location : doc_ganesha

Transliterated by : Pranav and Vrushali Tendulkar pranav.tendulkar at gmail.com

Proofread by : Pranav and Vrushali Tendulkar pranav.tendulkar at gmail.com

Latest update : May 24, 2020

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

May 31, 2020

sanskritdocuments.org

गणेशस्तुतिगीतम्

हेमजासुतं भजे गणेशमीशनन्दनं
एकदन्त वक्रतुण्ड नागयज्ञसूत्रकम् ।
रक्तगात्र धूम्रनेत्र शुक्लवस्त्रमण्डितं
कल्पवृक्ष भक्त रक्ष नमोऽस्तुते गजाननम् ॥ १॥

पाशपाणि चक्रपाणि मूषकादिरोहिणं
अग्निकोटि सूर्यज्योति वज्रकोटि निर्मलम् ।
चित्रभाल भक्तिजाल भालचन्द्रशोभितं
कल्पवृक्ष भक्त रक्ष नमोऽस्तुते गजाननम् ॥ २॥

भूतभव्य हव्यकव्य भृगुभार्गवार्चितं
दिव्यवह्नि कालजाल लोकपालवन्दितम् ।
पूर्णब्रह्म सूर्यवर्ण पूरुषं पुरान्तकं
कल्पवृक्ष भक्त रक्ष नमोऽस्तुते गजाननम् ॥ ३॥

विश्ववीर्य विश्वसूर्य विश्वकर्मनिर्मलं
विश्वहर्ता विश्वकर्ता यत्र तत्र पूजितम् ।
चतुर्मुखं चतुर्भुजं सेवितं चतुर्युगं
कल्पवृक्ष भक्त रक्ष नमोऽस्तुते गजाननम् ॥ ४॥

ऋद्धि बुद्धि अष्टसिद्धि नवनिधानदायकं
यज्ञकर्म सर्वधर्म सर्ववर्णार्चितम ।
पूत धूम्र दुष्ट मुष्ट दायकं विनायकं
कल्पवृक्ष भक्त रक्ष नमोऽस्तुते गजाननम् ॥ ५॥

हर्षरूप वर्षरूप पुरुषरूपवन्दितं
शूर्पकर्ण रक्तवर्ण रक्तचन्दनलेपितम् ।
योग इष्ट योग सृष्ट योग दृष्टिदायकं
कल्पवृक्ष भक्त रक्ष नमोऽस्तुते गजाननम् ॥ ६॥

इति गणेशस्तुतिगीतं समाप्तम् ।

Ganesha Stutigitam

pdf was typeset on May 31, 2020

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*